भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

विश्व पर्यावरण दिवस 2023 का मेगा इवेंट

बाँस पौधारोपण एवं प्रदर्शन तकनीक पर प्रशिक्षण

3.06.2023

स्थल : डहु, ओरमाँझी, राँची

कार्यशालाकी झलकियाँ

भावाअशिप वन उत्पादकता संस्थान राँची के निदेशक डॉ योगेश्वर मिश्रा के निर्देशन एवं उप वन संरक्षक श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस के मेगा इवेंट के अंतर्गत दिनांक 03/06/2023 को संस्थान के एक दल श्री बी.डी.पण्डित ,श्री महेश कुमार एवं श्री मोहित सत्पथी द्वारा चक्रीय विकास संस्था डहु, ओरमाँझी के सहयोग से ग्राम डहु, ओरमाँझी में बाँस पौधे प्रवर्धन तकनीक एवं बाँस पौधारोपण विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे चक्रीय विकास संस्था के श्री देवेन्द्र ठाकुर सहित लगभग बीस महिला –पुरुष किसानों ने भाग लिया।

श्री बी.डी.पण्डित द्वारा संस्थान एवं कार्यक्रम के परिचय के बाद चक्रीय विकास संस्था के श्री देवेन्द्र ठाकुर ने वन उत्पादकता संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाँस की खेती आज की आवश्यकता बन गई है। हमारी संस्था वन उत्पादकता संस्थान के साथ मिलकर इस क्षेत्र में बाँस रोपण की दिशा में कार्य कर रही है। किसानों के पास जमीन है एवं संस्थान के पास तकनीकी है दोनों के सहयोग से गाँव का विकास संभव है। किसानों ने भी जमीन उपलब्ध कराने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की। श्री बी.डी.पण्डित ने विश्व पर्यावरण दिवस के इस मेगा इवेंट को जन-जन तक पहुँचाने की अपील करते हुए पर्यावरण प्रदूषण के घटकों को विस्तार से बताया। उन्होंने इन घटकों से निपटने के उपायों के विषय में बताते हुए मिशन लाइफ के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया की सरकार द्वारा निर्धारित 75 उद्देश्यों को ध्यान में रखकर अपने जीवन शैली को अपनाकर दुनिया में क्रन्तिकारी परिवर्तन ला सकते है। श्री पण्डित ने बाँस पौधा तैयार करने की विभिन्न तकनीकों की जानकारी भी दी एवं उन्नत प्रजाति के बाँस रोपण पर बल दिया बाँस के बिभिन्न उपयोगों को बताते हुए उन्होने बताया की बाँस का बाजार बहुत विस्तृत है और हम कुटिर उद्द्योगों के माध्यम से इसका मूल्यवर्धन कर स्वावलंबी हो सकते है ।

विश्व पर्यावरण दिवस 2023 का मेगा इवेंट

बाँस पौधारोपण एवं प्रदर्शन तकनीक पर प्रशिक्षण

दिनांक 03.06.2023

श्री महेश कुमार ने बाँस प्रवर्धन के तकनीक का प्रायोगिक प्रदर्शन किया। उन्होंने बीज, सिंगल नोड, डबल नोड कटिंग तथा स्टेम कटिंग द्वारा नया पौधा तैयार करने की विधियों को बताया। वन उत्पादकता संस्थान द्वारा डहु ग्राम में चक्रीय विकास संस्था के सहयोग से प्रदर्शन के तौर पर 10 बाँस पौधों का रोपण भी किया गया।

कार्यक्रम सफल बनाने में संस्था के श्री बी.डी.पण्डित, श्री महेश कुमार एवं श्री मोहित सतपथी का सराहनीय योगदान रहा।